



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 408] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 4, 1981/ भाद्र 13, 1903  
No 408] NEW DELHI, FRIDAY, SEPT. 4, 1981/BHADRA 13, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 81

का. आ. 683(अ).—विकास परिषद् (प्रक्रिया) नियमावली 1952 के  
नियम 2, 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम,  
1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,  
केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के  
आदेश सं. 535 (इ.) दिनांक 3 जुलाई, 1981 जिसके द्वारा कागज लुगदी के  
निर्माण या उत्पादन में लगे अनुसूचित उद्योगों व सम्बद्ध उद्योगों के लिए

विकास परिषद् पुनर्गठित की गई थी, में तुरन्त प्रभाव से निम्नलिखित संशोधन कर दी है :—

क्रम सं. 15 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाए :—

16. अध्यक्ष,  
इंडियन पेपर मेकर्स एसोसिएशन,  
कलकत्ता ।

[स. 3(45)/81-पेपर]

बी. आर. आर. आयंगर, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
**(Department of Industrial Development)**

**ORDER**

New Delhi, the 4th September, 1981

**S.O. 683(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (63 of 1951) read with rules 2, 4 and 5 of the Development Council (Procedural) Rules, 1952, the Central Government, hereby orders that in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Order S.O. 535(E), dated the 3rd July, 1981 through which the Development Council for the Scheduled Industries engaged in the manufacture or production of Paper, pulp and Allied Industries was reconstituted, the following amendment shall be made with immediate effect.

After S. No. 15, the following entries are to be added :—

16. Chairman,  
Indian Paper Makers Association,  
Calcutta.

[No. 3(45)/81-Paper]

B. R. R. IYENGAR, Jt. Secy.